



५१

ॐ नमः श्रीवज्रसखाय ॥ यगिष्ठयदवगा कलाधियगिनायकं कृत्वा ॥ समाधिगयरावना ॥ यथम ॥ गगकलम
धियासयग ॥ गदन्कलंगनासयूवकं मणुलाधियासनं कर्तुमि ॥ यथाद्वगविधिकियायगिष्ठादिकीयुगिष्ठाकुर्या
न ॥ मगोयोनिर्गमयेनकार्यं ॥ गून्गगाकनूपातिन्नवाधिवित्तामर्कलिविगर्वा ॥ रावनागून्गगाक
नूपातिन्नवाधिवित्तामर्कयूदानय ॥ यरिलिखिगदवगावीर्जनिष्ठानेयदवगायवगमर्थं ॥ सध्वनैथग
गाथावयग ॥ दवस्योधियनिर्गूर्यथा ॥ स्वायूववनेयथाकर्मददादिवृद्धं ॥ ॐ कार्मेष्टुगनेनववीर्जनिभिस्त्रिग
॥ यविगुशेवगि ॥ ० या न लाहो ॥ आदिनरावनो ॥ पटिनिगून्गगाधिमो ॥ गणद्वीगनिष्ठन्नमानदवगाकांवि

विश्व ॥ गथागगायत्तरावमिर्दजगग ॥ गथागगानिष्ठरावमिर्दजगग ॥ अनयागमथायावमुद्विक्कनगंकृत्वा ॥ न
रुसिमध्वमथागतानृष्ट ॥ य ॥ पुत्रायहालेयूजा ॥ लाग्धवाधवादनमृनि ॥ वृषयाय ॥ ॥ खवायिसध्वसम्वद्धावाधि
सखायसध्वग ॥ ० ॥ रुवद्धकगावास ॥ सानिध्वकमुमरुथ ॥ थनवेजांकुगमूद्राणगाकागवायदवर्त्तका
गलरु ॥ दूहाववरा नय ॥ दयकाय ॥ निमासविस्मरुयावसाधनयाय ॥ ॥ यायादिनिवा ॥ १ ॥ नगमिक्का
सुयोमनैर्कुर्याग ॥ ॐ नमः ॥ समन्तयूधानांसिवाधिनिविशुद्धानांसध्वविचरुनलुद्धं ॥ रुद्रकृत्वा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
॥ ॐ ॥ कायउवायमनु ॥ यस्ययमर्कगनाष्टगमिक्कासुदिवज्रदसुनदृष्टाजयग ॥ यथादिरि ॥ ४ ॥ यजयग ॥

सिदयक गणुलयनदवया लीयनिसददयमनुवायावदवयानूयउस गंधनकुमावीमृगकानविननस
 लवनाय धयानयिवानयून्या ॥ गगनवजसखमानानिमायसदृडीजाकृष्टंयनिष्ठयदवगावीर्गगन इ
 क्षु ॥ लावना ॥ यूजादियूवगवविः ॥ हययन ॥ धूया ॥ समेनादननुमास्व अणवादिशसक्तिगा ॥ अम
 कार्दमहावजीदवगाकस्ययाम् ॥ ह्री ॥ निष्ठाणमनूकयायसत्वार्ययुनिरुतुना ॥ वीजसुगमदासुन
 अधिष्ठाणकसुमरुथी ॥ अकासककलाकानद्वयगविगनिगत्वसहिर्गदवगावीर्गदृष्टु ॥ वजाक्षु
 दिवाजमणुलमाकषयन ॥ उंवजाकृगवीजमणुलमाकषयन ॥ उंवजावगवीजमणुलमाकषयन ॥ वजाक्षु

२ धनधययादावमनर्गहाकाननिगुडिनकावकी दयकादवयाविजखन

वीजमणुलवंधययं ॥ उंवजावगवीजमणुलमाकषयन ॥ अयादिनिवा ॥ प्रन ॥ प्रान ॥ ॥ खर्वकृत्वास्वस्ववीजनः
 निष्ठाययन ॥ यून ॥ निष्ठावदवगावि ॥ धकायादिवीजाभिसुनकूर्याग ॥ यूजादियूजागताकवणद्वीकूर्याग ॥
 यैभवादर्न ॥ ॥ निष्ठावजाभिसुनसी ॥ मान्नायनयनक्रिया ॥ वीजधेनक्रियाधर्थ ॥ • ॥ धनलिजागवसे
 ॥ ॥ गदनूनिष्ठावदवगा ॥ हया ॥ लावना ॥ गगनवसव्वेनथागगसर्गरुवूर्यसव्वेधोभिसुवः
 नृयैः ॥ मणुलार्थयनिवृर्गमणुलाधियनिमालाका ॥ ॥ ॥ कणादि ॥ यूजादियूजा ॥ गगनसुनरिक्कसमा ॥ प्रलिय
 लमगविगुहामनी ॥ उंसव्वेनथागगसुतलिगविलासनमिग ॥ नमामिरुगवर्नजो ॥ उंवहा ॥ यनिष्ठकूमा ॥ प्रलिना

हानयागन दहन नमस्काययाकावधगहालदवयाक

७३

मवेरुधरुं॥ उं हनयशुभं॥ अवखवक्रसकनकन॥ उं यशयशुभं॥ उं वजयशुभं॥ अवखवव
 अनथियमिखस॥ उं ४ हनव
 मत्वाश्रविला॥ कयकयामयः॥
 विनिमृगवसिनिः॥ सर्वदिल्लक
 यमयन॥ ॥ दृष्टिदानविधिः॥
 मयन॥ उं ४ सर्वगथागगयुगमयूयासनं रुट्वाहा॥ उं ४ सर्वगथागगदिह्यायानत्वाहा॥ श्रीव
 उहानयशुकुनरुं॥ हनयवविखान॥ ॥ मिथ्यामसिध्व
 विम्वसानाद्वयागद्वगगायसिद्धिनवीकगा॥ य० न॥ नासां
 थागुमनसर्वसखानदिव्यवश्रुविलियाश्रगतगसिनेवय
 गग॥ मथेयगुदीसुवर्णमलिकादीविनिधाययेगमयूया
 धननिवेसनेरुनसद्युगकसिगयावनामृवकमनु
 इहमानका

स्वादनीयवायहालयुगा॥ गगाकभाण्यलुवादन॥ ॥ निजागकर्मविधि॥ १ ॥ गदन्वाचार्य॥ स्वद्वदी
 दोदयगानामाकर्नीविरोवापुनि
 नवागगाहृदयानामाकनमर्मुनि
 खा॥ यायादि॥ निनाकून॥ उं गं ४
 रुलेनयुगालयगा॥ गग४सुगन्नन
 हा॥ अननयशुवलोलेनविश्रु॥ प्रानकायनगा॥ य४सखननवनधम्मसकर्मवजीमूडाजणनसदिगस्याध
 याद्वगिनर्कयगदुसिनासर्वाकागधायनियूणुम्विरोवाय
 ग्यार्यदवगाहृदययययसयन॥ गथेवरुलनसरुन॥ दिकीकृ
 खं॥ अननयशुममृगयशुगवीनदय॥ लपुक्रयित्वा॥ कलम
 लनदुष्टाकृणुनमुक्रयित्वा॥ उं सर्वगथागगकायविमथनद्वंत्वा॥

१५५५ नुकान दवादि कन ३

कृतकतर्कन

यस्य कस्यावेभाव न स्यात् रावदूखविनासकस्य गन्मज्जलं रावदुग्भानिकं वंगवाय ॥ उं वज्रसत्त्वम् ॥ ॐ ह्यन
नदयेदर्थत्वा ॥ ॐ अथान्तिकरु
वज्राहवगधमगन्तु उवत्वा ॥ वज्र
मुनि ॥ ॐ निनामाकवण ॥
मूर्च्छिणभवसहिगस्य गूमाद्यसिद्ध
कवाय ॥ ॐ ह्यवम् ॥ उं दिवा वाससत्त्वा ॥ उं वाधं गधृगकवम् ॥ वाध्यामठर्ह ॥ ध्वनलिकालनदूनाना

निष्पत्तिः

आमल

[illegible]

७

॥ नागिक ॥ उं आः वमनं युगियुच्चाह ॥ कर्नव रुय ॥ नसा कखानमालानमायसयिना ॥ ग्वयनक ॥ थनिकीथखा
याझदूलैरुवगामभिदाहवयायू
नविधिं कुर्याग ॥ सावना ॥ दवगा
मथागगनेमिहेतनसैरुनणिकाव
गगत्यागि ॥ सर्वसखमनायायीस
त्यानां ननमनाथकामागह्ययनियूनय ॥ धर्मधनावविष्णुणात्समयसमवणदयि ॥ कययासद्यस्तवानांकुवू

यादियवोयहोतयूगा ॥ मुनि ॥ ग्रीनयामन ॥ ॥ गगंडयनय
द्वन्द्व ॥ उं महासूखेवजज ॥ उं वंदो ॥ सुनगल्लमदं ॥ गति ॥ सर्व
यग ॥ जगमानेलाथजावयवाना ॥ महासूखमहानागमिवीसर्व
सर्वसखददिष्टिग ॥ सर्वसखयिगायेवकोमा ॥ गुप्तमयाश्रिणा ॥ स
वसखददिष्टिग ॥ सर्वसखयिगायेवकोमा ॥ गुप्तमयाश्रिणा ॥ स

धर्मसर्वसिद्धय ॥ धर्मवउय ॥ यथादियधुप्रयहोतयूगामुनि ॥ उयनयनविधि ॥ ० ॥ गगयूजकवणार्थय
निमादीनमनकुर्यागि ॥ यत्तमजलं
कथनस्यसूगगस्यसूखान्मक
यत्तुवालनउयाखात ॥ कमिह
नद्र ॥ सर्वोहनावलानरुदयद्र
लूनक्रसखन ॥ यून ॥ मोन ॥ यन्मजलममृगस्यजिनयुरादं सिकुनावनदाससूरा ॥ विगन ॥ शीवत्तसैरावजि

कमलयागिसद्वजगिकृयकायुधंयवनराययगस्यलाका ॥ ला
स्यगन्मजलरुवगुगयनमारिधका ॥ उं कावणमृषिहूनया
धयूगा ॥ लागनकावावसुखायमकुथ ॥ उं सर्वविभगविमथ
खाहो ॥ धनगंखायराव ॥ उं धर्मगद्यधिकवणखाहो ॥ लूम
लूनक्रसखन ॥ यून ॥ मोन ॥ यन्मजलममृगस्यजिनयुरादं सिकुनावनदाससूरा ॥ विगन ॥ शीवत्तसैरावजि

७।

नम्यनिसविगस्य गन्मद्रुतवगुगयवमा निधक॥ गाउयामठरुं॥ इतकुकुमनसि कवायमां उगलूव
गननानाग्रागनल॥ उं सवोरेनल
वृद्धानां गेवगुर्कनमसुर्ग॥ यय्याः
मकूटयुगिहृत्वाहा॥ वाकप्ररुनि
यः मुनि॥ नूतिवृजकवण॥ • ॥

रुषणल्लाहा॥ उं कावलययुवृद्धमकुर्गनिधाय॥ वृंदगन्मध्वः
कैयूतनार्थयिमकूटयविकूलाहवः॥ उं सवृयुद्धवृजामणिमद
गा॥ उं वज्रवत्तगां॥ उं वज्रधालयव्रीहं॥ मकूटनवायक॥ यः ला
गगावगादगा॥ रविना॥ स्वद्विदवगास्वद्विद्वीगर्जविद्वीनियथाय
सवृकागमगुवृद्धवगाविद्वन्वृयनरुत्तनसुहृणीकृत्वा नुकीरावमागगा॥ उं वज्रसत्तहं॥ धमकुणदवगा

अविद्याषा॥ राजमानदाथजालयवान॥ वृंदगन्मध्ववृद्धानां स्तनालगाणमूर्ध्मः॥ मूलावयवधर्मवृविद्विगा
वयः॥ काहिगा॥ सवृथयुक्रिया
शाधगनिगुठिया मूधमयावयु
मूतखठनखाखिभखवावयः॥ उं
नूतिवृगादगा॥ • ॥ दगाभकवण

निर्विकरुयः॥ सदागुविशयनयेनदिरावनवृद्धखंसमूयागग
दगर्वन॥ उं वज्रधर्मज्ज॥ धमकुणगानाविया॥ उं वज्रसीविवं॥
वज्रवत्तगां॥ दयानंवलगावल॥ यथायहनयूगा॥ ला॥ यः मुनि
लीलावयावमानयुष्मादिरिमणुर्लकृत्वा लयूय॥ सवृगथाग
गान्युगिमादिदवगानिस्त्रगाववाधिविरुत्तवृयानविहय॥ वाधिविरुत्तहवा सवृवृद्धान्युधमूयागगाः

x गृहमासनास्यहयाव उरुमणुतदनक
निधायिवागनवाध निमकन गाउवा मठरुं गगलूविकाका

अ
न

॥ वाविसखा मदासखा ४ खजा गिथा ॥ गन्मीन ४ नि ४ खरा वं निवा लम्ब सर्व सख क का वण ॥ गथगा
 समता हने वा विविदि मिगिस्म
 समावर्तन विधि ॥ ॐ ॥ धन
 युष्मन् रस मूय द्वावा आवाय म्ना
 दावा ॐ हिकिया रावना ॥ ॥
 नूयाण निष्ठाया स्वद्वय दूत्सर्ध युनिमादिदवगाया वामया ॥ ध्वय द्वाव द्वा सन निषय ॥ ॐ वज सख म्ना ॥

उहमा तत्ता र्थ द्वाय विविदि तत्ता न
 गुम्भुले दनका विमिगि तानन क्कव क

ग ॥ धन निवा क यूजा ॥ ला ग्धा दिशि ४ स यूय ॥ वग म्ना क ल
 द्वा मणुला विवा म्ना क ल ग्धा विवा सन धून क ॥ ॥ संति
 नया दावे गु नू मणुल द गु मि क ल ग्धा यूजा देव गा क्क नि धून
 गग ४ ख द्वा द्वा सु म्ना कारी विरावा युनिमादिदवगा म्ना निषय
 ॥ ॐ वज सख म्ना ॥

१ सगान क्क यय ॥ नो ड क्क म्ना हा थ यूजा

नि विवा न गा य

मूठ गवडाण थिय क ॥ पाय निवा क्क न गा उवा मट ह ॥ म्ना लयं द्वा ॥ मास क व क ॥ ला हामा म्ना ॥ सा म्ना य
 सगो द्वा वण द्वा ग्धा वय उय ॥ ध
 काल न वा य क य द्वा व क ल र्थ वाम
 ला स्य व न मा ल्य स गान नू यय लू य
 न्म ज्ज ल र्थ व गु ग य न मा निष क ॥ व
 याया दिवा ज्ज व म्ना ॥ ॐ दिवा या स स ख ह ॥ ॐ स द्वा नि वण स ख ल ख ह ॥ आ र वण ॥ ॐ द म्ना स द्वा व्वा नां गु ध म्ना

मकुण लू गिया व क ॥ ॐ स द्वा ग्धा गग का य वि ॥ धन द्वा द्वा ॥
 ग य द्वा ग्धा गग न क ल ग्धा व क क मि क क न म्ना न या या य द्वा
 ध्वय व न दी य वि वि क ग न्ने ४ यूजा नि व यु नि स मी वि म ल यु गी ने
 म्ना ॥ उला ल व द्वा जी ग ह ल क्क क म्ना क य न न या व द्वा स ल य न
 ॥ ॐ द म्ना स द्वा व्वा नां गु ध म्ना

स ना व न गा वा व वि य

अ
दि

कनमस्तुगीरायस्माकंयुजनाथयमकूटयिकलाह्वं॥ॐवज्रसत्तु॥हृत्तिनिनवयक॥ॐम्मा॥उगः
स्ववद्वर्णिसंगनूयकूनीमृगगन्धि
लाहाग्निकला॥सह॥बालस्वउवि
हृदयसु॥वीजाकर्मनानालाकध
गायायादिनिगानना॥यक्ष्मय
हिगा॥न्यगाथागनिमूडासनलाकयराकनीगृह्णित्वायाणिनायाणिवृद्धकृत्ययुवरुगे॥यनसत्तनसंसर्गनेय

क्षयायान्मणुलंगनसत्तनमनाथकामाख्ययत्रियूयय॥ॐसर्ववृद्धयुजामणिमहावजाध्वीषर्वन्ननिष्टरु
रुट्त्वाहा॥अलिनीमकुशाॐव
बाललेखिवाभनास्वस्तिवाक्ययउ
लवदावनथवधासासहसाजन
लयूगाख्यपवादनमुगि॥यक्ष्म
संसिद्धिवृद्धविममिवयुनिमांष्ट्र॥यायादि॥अग्नादुगियूय॥ॐयाजकाग्रयत्वाहा॥युष्टादियूगाअष्टला

१००॥अनकाणस नेरुत्यकाणसत्तुलिकवायाव
नामगामर
हृत्तिनी
सत्तन
यादिन
तिनयन
हृत्तिनी
दायक
वीथक
नाथ

अहमासनायातनयिक

अ
नि

गमगाकना॥ नूनिगुनिकियाविधि॥
कनिष्ठसुवद्रतागनसुभ्रमादि
दियुगा॥ उं नूनिगुनिकियाविधि॥ मणुत
मयाया॥ उं सर्वगथागनयुगायछ
मां॥ उं सर्ववृद्धयुगायछाणयात्मा
सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा

कनिष्ठाकादयकादयनिष्ठायाय

॥ युनिष्ठागावना॥ स्वद्विद्वंकावणवजं गत्कीवणं रुनिष्ठा
गंसिद्धियथामणुतद्वं॥ नूनिगुनिकियाविधि॥ मणुत
सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
नयात्माननिर्यागयामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
ननिर्यागयामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
ननिर्यागयामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा

मयुगायवर्णयामाननिर्यागयामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
मयुगायवर्णयामाननिर्यागयामि॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
गमगाकना॥ नूनिगुनिकियाविधि॥ मणुत
मयाया॥ उं सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा
मां॥ उं सर्ववृद्धयुगायछाणयात्मा
सर्वगथागनयुगायछाणयात्मा



卅

दक्षागिषिबुद्धं ॥ यत्पुष्पवह्निनयूगा ॥ द्यष्टवादन ॥ ग्रायार्थनजवतानवजयंयत्पुष्पवह्निनमातागवार्द्धं
 दावस्ववतानगाययाययुगिम्भ
 वाम्बा ॥ उं स्युगिषिगवजस्वाहा ॥
 गगहालिवोवाविवज्जगमायु
 गम्भ गथागागदवीशिः कूर्गेनरि
 ॥ श्रीगिषकं महावज्जस्वादिः ॥ लीवाणमनानवत्तमम्भस्वरावणमकूटणयायका ॥ यत्तनयूयका ॥ उं वज

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

संनिदिगारवशायाणुसिधका॥
 कवजसुथागगसुहृदुवसु॥
 नकुगहनमूडालिजिनातिन
 कागदनूवकेश्वनमूर्तिवजस
 क्ववनावनद्वाराणयुविश्वदयी
 यैयुनिमादिदवगायामुखयुविश्वीविक्रयन्॥गुप्तसिधका॥

॥ॐवजसुतस्वामिशिष्यमिवजनामासिधकग॥ॐआ॥ॐम
 ॥नामासिधका॥ ॥युनिमादिदवगानांसवजवजयणक
 यंवितावशागगसुयुनिश्विगवजायस्वारा॥आवायोसिध
 त्व॥सुद्वदीशकिवणनिर्ग।सविश्ववेनाचनादिगथागगद
 र्गमहासुर्यमनूहयावजयेद्यात्थामसुखवाधिविरु
 ॥गगहनवजसुतस्वमायनीनदया॥

समायन्नायायुनिमादिदवगायासुहृजानन्दमयस्वमविमुखग॥युहसुहृजानासिधका॥ ॥गदनूगवजसुगाय
 नियादिगवदुर्थसकस्वनूयायुनि
 नूणसिन्नवसामविमुखग॥ॐनि
 उनेलर्यनयक॥शस्येयणुथास्य
 मयस्ववजसुतस्वयसिधमसुव
 माकन॥निदयिगगगगसिस्वनागमनूनागिणं॥गहनसिधमरुगवनमहानागमहानग॥सूर्यगमुद

मादिदवगायुहिनगवाप्तनायनर्ममहासुखमय।गूनागाक
 वदुर्थसिधका॥ ॥युह्यादियणुयादनमुनि॥गगमानरु॥
 यउया॥आकाशत्यादविक्रत्वादणदिनिधनयव॥महावजस
 र्ममहासिद्धिमाहृग्योदिदवगा॥सर्ववजधनाजासिधमयन
 ॥

यति स न त म म्मुह्यं सर्वस्य निदायनी ॥ गंख कृदं च वपुः सा वज्रसत्त्वान्मकायना ॥ मन्त्र ॥ ॐ मणिष निवडीणि मला यति स न दूँ २ रुट् स्वाहा ॥ यं. ला. म्मु ॥ ॥ यूँ ॥ ॐ. धूपक म्मुनि ॥ अर्घ्य नीत ॥ ॐ नमो रागवत्ये आर्य मला साहसुयम ॐ दनो अर्घ्ययति रुट् स्वाहा ॥ यूँ ॥ यूँ. ॐ गसनी दवी काधवडी नमो मा म्मुह्यं ॥ म्मु ॥ ॥ द ॥ ॐ. धूप नीत ॥ अर्घ्यय ला. यं. म्मु ॥ महाहाना रुवा दवी रुम वपुः पुरा कवि ॥ विद्याना ही मला नाना मायुनी म्मुण मा म्मुह्यं ॥ म्मु ॥ ॐ अमृ गविता किनी गरा स न कणी अर्कणी दूँ २ रुट् २ स्वाहा ॥ यं. ला. यं. म्मु ॥ ॥ य ॥ ॐ. धूपक म्मुनि ॥ अर्घ्यय म्मुनागे ॥	यं. ला. यं. म्मुनि ॥ कृषु वपुः मला या ता सुक ॥ श्री मरी वणी ॥ दूँ दान मर्ग ॥ ॐ अमृग व न द न श्य वल विगुद्व दूँ २ रुट् २ स्वाहा ॥ यं. ला. यं. नागे ॥ ॐ नमो रागवत्ये आर्य मला मायुनी अर्घ्ययति रुट् स्वाहा ॥ यं. यं. ला. यं. म्मु ॥ महाहाना रुवा दवी रुम वपुः पुरा कवि ॥ विद्याना ही मला नाना मायुनी म्मुण मा म्मुह्यं ॥ म्मु ॥ ॐ अमृ गविता किनी गरा स न कणी अर्कणी दूँ २ रुट् २ स्वाहा ॥ यं. ला. यं. म्मु ॥ ॥ य ॥ ॐ. धूपक म्मुनि ॥ अर्घ्यय म्मुनागे ॥
--	---

ॐ नमो रागवत्ये आर्य मला गीगवत्ये अर्घ्ययति रुट् स्वाहा ॥ यं. यं. ला. यं. म्मुनि ॥ चानू वकु विभा ला की विकवा म्मुनू हातिनी यद्व बाग नूण दी फं नम म्मुं जगन्मागनी ॥ म्मु ॥ ॐ विमल वियु नं गय वल अमृग विव डं दूँ २ रुट् २ स्वाहा यं. ला. यं. म्मु ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ. धूप अर्घ्ययति रुट् स्वाहा ॥ यं. यं. ला. यं. म्मु मा मिदिव नूयिनी ॥ म्मु ॥ ॐ रागवत्ये म्मु ॥ • ॥ यूँ स्वादिनि आदित्या दिन वगु रुमा का वया मि ॥ ॥ आदित्या द कण मा वा सा ॥ वीजन क वया ॥ अ धूपक म्मु ॥ अर्घ्यय म्मु ॥ न क य र्प विन यूँ धूप दी यी ॥ की न राग म्मु मिदि स ॥ ॐ नमो रागवत्ये आदित्या य का	॥ अर्घ्यय कर्क गने ॥ ॐ नमो रागवत्ये आर्य मला म्मुना नू सो वि ॥ वेदुय मुकनी रासा मदना त्मु क विगुमा ॥ का का द क्क दनी दवी न रन २ रुट् २ स्वाहा ॥ यं. ला. यं. ॥ अर्घ्यय कर्क गने ॥ ॐ नमो रागवत्ये आर्य मला म्मुना नू सो वि ॥ वेदुय मुकनी रासा मदना त्मु क विगुमा ॥ का का द क्क दनी दवी न रन २ रुट् २ स्वाहा ॥ यं. ला. यं.
---	---

ॐ
३

अथ यथायथा दिव्यगर्हसंस्तुताय नमः स हि गायक कर्कनयननागवैष्णवक कसुमसदृशाय नमः कृवागययन
कगन्नययययविनाययियाय। गुर्वगवथसमानुदायदवदानवकुम्भपुञ्जकिन्नाकनसहिगाया। अवननशरा
गवानमनूयाणं हिगार्थाय ॐ दं
यहानवलिङ्गयुतिगृह्णां २ नमामु
यमूर्धम्युतिङ्गुत्वाहा॥ य. यं. ला. यं
वज्रसूर्यनमामाहं॥ मं॥ ॐ नमामया कायत्वाहा॥ यं. ला. यं. मु॥ २ ॥ सामस्यदेविणमृगि। वीजमृगानि
ला॥ मू. धूपकयूना। मूर्धम्युति॥ ल्हागयहायविगययधूपदीया॥ मुक्तिदधिरकं। समुत्त॥ ॐ नमः ४ सामायमू

नमथनाहवायनं रासगायनमस्य पूजाय हातनीनमीलका अथययसदृशाय शुक्रवातपूष्यगन्धयहायवि
गायहंता नृदायदवदानवकुम्भपुञ्जकिन्नाकनसहिगायनवननमनूयाणं हिगार्थाय ॐ दं गुरु
मणुत्तम (ध्व) नयुव (ध्व) २ ॐ दं मू
यस्य कियनं गस्यया निका नानि राग
॥ कृणुगुणानसंकल्पं हस्त पुलाका
भवत्वाहा॥ यं. ला. यं. मु॥ २ ॥ श्रीगवत॥ दगाण (ध्व) सा वीजमिन्वा॥ मू. धूपगुगुला। मूर्धयवाला। नकयहाय
वियययधूपदीया। गुठराकं॥ नावयनसं॥ ॐ नमः रागवतं श्रीगवायमहादवयगाया। पृथ्वीगर्हसंस्तुताय दूगवर

संयुक्तलिगायनकवातयूयधूयदीयगच्छ यक्षपुविगायकृगभूदायवज्रकृत्कलदयगायदवदानवकृमृगु
 जाकिन्त्यननसहिगायमृवगनरगगवननन्याणंदिगार्थय ०००दंगुहमणुलम ०००अनूपव ०००दमकगग
 न्नयधूयदीयायराववलिकृयुतिगृ क्रगां२नमाःसुगयत्यक्रियनं गत्यपीतिकनातिरागवननमार्कियुष्टि
 कनूयमिसुगायमृयमृयुतिगृ स्वाः हा॥यू.यं.ला.यं.मु॥विजरागोविसनंजसुलमयवमंगक्रियंक्र ॥२
 मानकलसंरुगंलाहिगाईनसाम्प हं॥मी॥उंनकाद्रकमानायस्वाहा॥गम.यं.ला.यं.मु॥ ३ ॥वृद्ध ॥
 दकिणसूवर्णवीरिगिगार्थय॥आ.धूयसुगनम॥मृयसूवर्ण॥वीनयस्ययविगयधूयदीय॥युगयुनिगवस
 ॥उंनमारगवगवृद्धायसामसुगायनाहिणीयूगायमृयकासासिस्तानिगुकमहीत्यासदृगमयवज्रसूर्यदवगायह

२१
 धोसुवगभूकृमृगुजाकिन्त्यननसहिगायमृवगनरगगवानदानयनरिगार्थय ०००दंगुहमणुलम ०००अनूप
 व ०००दमकगगन्नयधूयदीयायराववलिकृयुतिगृ क्रगां२नमाःसुगयत्यक्रियनं गत्यपीतिकनातिगम
 न्क्रियुष्टिकनूवावत्यनयमृयमृयुति नयुरां१नययागक्रयाणिनंवाव
 ॥गुक्र॥दकिणमृयवीरकना दक्राहा॥यू.यं.ला.यं.मु॥सूयवीणधियावृटं०गमार्कनंवा ॥३
 दयं॥गुठयिष्टिदृगं॥म्राव॥उंनम॥गुक्रायरगुसुगायमृसूवगुनूयाधूयवैवायनकलदयगायगुक्रयासय
 यधूयगन्नयस्ययविगायगुनजावृदायदवदानवगंक्षोसुवगभूकृमृगुजाकिन्त्यननसहिगायमृवगनरगग

धं

विनयूयधूयगन्धयक्षयविनायकमलासनवृणायदवदानवकुम्भपुण्ड्रकिन्नकवसहितायश्रवतवशरगवन्दान
यनहितायर्थयन्दंगुहमणुलमल्लनयुवकधरदमकगगन्धयक्षधूयदीपायदानावलिपुत्रुगिद्रगांशन
माश्रुगयस्यक्रियगगस्यपुनिक
यूयंलाय्यंमु॥गंलावनाद्युति
॥मं॥उं॥वृद्धायस्त्राहा॥गंयंलाय्यं
श्रुयमुवर्ण॥यगियक्षयविनयूयधूयदीपायदयं॥द्युतयुव॥कलम॥उं॥नमारगयगयद्रुस्यगयश्रुगवसुगाय
वमुवदायदवदानवगुनूयाक्षाययीनवागयूयधूयदीपयगन्धयक्षयविनायकश्रुगायदयगायदवदानवगधि

वन्दानयनहितायर्थयन्दंगुहमणुलमल्लनयुवकधरदमकगगन्धयक्षधूयदीपायदानावलिपुत्रुगिद्रगा
शनमाश्रुगयस्यक्रियगगस्यपुनिकवाश्रवतवगंकिंयुष्टिकुवृगागवायश्रुयमुनिद्रुस्त्राहा॥यूयंलाय्यंमु
॥नानागंमुसुसर्वदंगुणारुण
रुमायस्त्राहा॥गंयंलाय्यंमु॥
॥श्रुयने॥गंमयक्षयविनयूयधू
ययूगायश्रुयागरेमरुगायदविषयमरुगाययमलगायश्रुगायदयगायनीनवागयूयधूयदीपयगन्धयक्ष
यविनायकश्रुनथसमानवृणायदवदानवगधिर्वास्तुनकुम्भपुण्ड्रकिन्नकवसहितायश्रवतवशरगवन्दानयन

थ
दि

हिगार्थय ॐ दं गुरुमणुलम ॥ अ नू य व ॥ २ ॐ द म क ग ग न्न यू स धू य दी पा य हा वा य व ति नू य नि गृ द्नां २
न मा ॥ मृ ग य स्य क्रिय गं ग स्य या नि क वा रा ग व न ग भे नि यूर्ध्वि कू नू कू वृ ण् म य अ र्धे मु नि य् च्छा हा ॥ यू यं ला र्धं
मु ॥ ॥ अ मा रा नि कू द दं गु कू र्मः को र्म सम कू र्म य छि यो णि गे नि र्थि नं कू वृ ण् ने मा म्प हं ॥ मी ॥ ॐ क
यू वृ ण् म य ग नि श्च वा य स्वा हा ॥ ग म यं ला र्धं मु ॥ ग ॥ वा ह ॥ द क्षि ण र व र्ज वी र्ज म्हा न ॥ अ नू धू य वि २१
त्वे ॥ अ र्धे क्त ल ॥ कू य स य वि न य ख धू य दी र्थ ॥ गु गु नि मा वा मि व ॥ ग ॥ डि म ॥ ॐ न म ४ वा ह व ति हि स ग
य अ मृ ग पि या य कू ति ग म्भ न द व नी य कू वृ वा स यू स धू य दी य ग न्न य स्य वि ना य मृ य ने थ स मा नू हा य द व दान व
ग धि र्वा सि न कू मृ णु ग कि न्य क्त स हि ना य अ व ग न २ रा ग वा न्द न य ग हि गार्थ य ॐ दं गुरुमणुलम ॥ अ नू य व

॥ अ २ द म क ग ग न्न यू स धू य दी पा य हा व ति नू य नि गृ द्नां २ य स्य क्रिय गं ग स्य या नि क वा रा ग व न ग भे नि यूर्ध्वि कू नू वा ह
य अ र्धे मु नि य् च्छा हा ॥ यू यं ला र्धं मु नि ॥ डि ग मि ग सूर्ति हा न स्त्रो न वा नां रु र्थि क र्म ॥ वा म मृ म द्ध को य नू वि धू गु द न्न
मा म्प हं ॥ मी ॥ ॐ अ मृ ग पि या य स्वा हा ॥ ग म यं ला र्धं मु ॥ ८ ॥ क र्त व ॥ द क्षि ण र व ति स ॥ अ नू धू य वा न र्थ ॥ अ र्ध
य व न त्वा ॥ य नू वृ ण् म ग म ॥ यू स धू य दी र्थ ॥ गु गु नि मा वा मि ग गु य रु र्म ॥ द्र व स ॥ ॐ न म ४ क र्त व का म स ग
य का न या ग वा गु र्म य र्ज क्त ल द व ता य धू मु वा स यू स धू य ग न्न य स्य वि ना य पि या य धू मु न थ स
मा नू हा य द व दान व कू मृ णु ग कि न्य क्त स हि ना य अ व ग न २ रा ग वा न्द न य ग हि गार्थ य ॐ दं गुरुमणुलम ॥ अ
नू य व ॥ २ द म क ग ग न्न यू स धू य दी पा य हा वा व ति नू य नि गृ द्नां २ न मा ॥ मृ ग य स्य क्रिय गं ग स्य या नि क वा रा

थ
का

वाग्यकामनार्थः सर्ववाग्यसाक्ष्यार्थः नजटद्यटिगन्नूनानुत्यमहसंयुक्तमि नजटद्यटिगन्नूनानुत्यमह
र्थः संयुटाकयाम्यहं॥३॥मु॥जा॥या॥व॥वीजनुका॥दकणमलूनति॥१॥ॐ वृद्धायसामसुगाय नारिणीयूगाय वज्रसूर्यदे
वगाय अमूकस्य आयूना वाग्यकाम
संयुटाकयाम्यहं॥४॥मु॥जा॥या॥वृ
गुवदाय देवदानवगुन्याय अ
क्षार्थः धीगवाग्यगलं गुह्यनिर्यागयामि॥ॐ दकणमलूनवाग्यनिर्यार्थः दकणसंयुटाकयाम्यहं॥५॥मु॥जा
यू॥गु॥वीजकउगुति॥दकणमायूगल॥ॐ नमः शुक्राय रघुगुगाय देवगुर्वेनावनदवगाय अमूकस्य आयूना

॥
२३

वाग्यकामनार्थः सर्ववाग्यसाक्ष्यार्थः ॐ दं नजटद्यटिगानुत्यमहनिर्यागयामि॥ॐ दं गुनं गदकणमलूननिर्यार्थः
दकणसंयुटाकयाम्यहं॥६॥मु॥जा॥या॥ग॥वीजमासादकणमहाकूसा॥ॐ नमः शनिशुक्राय सूर्यसुगाय कृष्णाय
हंससुगाय डमिडविषसंरावाय अ
क्षार्थः कृष्णधनसुखासनसहित
मसंयुटाकयाम्यहं॥७॥मु॥जा॥यू
याय कलिलगवदवगाय अमूकस्य आयूना वाग्यकामनार्थः सर्ववाग्यसाक्ष्यार्थः नजटद्यटिगन्नूनानुत्यमह
यामि॥ॐ दं रवमदकणमलूननिर्यार्थः दकणसंयुटाकयामि॥८॥मु॥जा॥यू॥का॥वीजकालथ॥दकणमलूनवाग्य

